

प्रेषक,

आलोक कुमार जैन,
प्रमुख सचिव, वित्त,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

सचिव,
उच्च शिक्षा,
उत्तरांचल शासन।

वित्त(वे0आ0-सा0नि0)अनु0-7

देहरादून:दिनांक: ०४ दिसम्बर, 2006

विषय:- अशासकीय महाविद्यालयों के सेवा-निवृत्त शिक्षकों को पेंशन हेतु विकल्प परिवर्तन की सुविधा अनुमन्य किये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या: 196/15-19-97-3(25)/90 दिनांक 24 फरवरी, 1997 एवं शासनादेश संख्या: 1220/XXVII(3)अ.आ./2005 दिनांक 18 जून, 2005 के क्रम में अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालयों के ऐसे शिक्षकों/शिक्षणोत्तर कर्मी जो सी0पी0एफ0 योजना से आच्छादित थे तथा उक्त शासनादेश दिनांक 18 जून, 2005 (सत्रान्त अवधि 30-6-2005 तक) के जारी होने की तिथि से पूर्व सेवानिवृत्त हुए थे एवं उक्त शासनादेश जारी होने की तिथि से 90 दिन के अन्दर सी0पी0एफ0 योजना से जी0पी0 एफ0 योजना के अन्तर्गत निर्धारित अवधि के भीतर विकल्प परिवर्तन नहीं कर पाये थे, उन्हें राज्यपाल महोदय सम्यक विचारोपरान्त जी0पी0एफ0 योजनान्तर्गत राजकीय दर की पेंशन हेतु अपना विकल्प देने की एक और सुविधा शासनादेश जारी होने के 90 दिन के अन्तर्गत निम्नलिखित शर्तों/प्रतिबन्धों के अधीन दिये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

1. देय अंशदायी भविष्य निधि, जिसका भुगतान शिक्षक को ब्याज सहित किया जा चुका है, में से प्रबन्धकीय अंशदान मय ब्याज के तथा शासनादेश निर्गत होने की तिथि तक ब्याज आगणित करके नियमानुसार सुसंगत लेखाशीर्षक में जमा कराया जायेगा। इसके उपरान्त ही पेंशन का भुगतान संबंधित शिक्षक को अनुमन्य होगा।
2. यदि संबंधित शिक्षक इस आशय का प्रार्थना-पत्र निदेशक, उच्च शिक्षा को दे दें कि सी0पी0एफ0 का प्रबन्धकीय अंशदान मय ब्याज और राजाज्ञा निर्गत होने की तिथि तक का ब्याज, पेंशन अवशेष से

- सामायोजित किये जाने में, उन्हें कोई आपत्ति नहीं है, तो उस शिक्षक को पेंशन अनुमन्य की जा सकती है ।
3. लाभदायी योजना के अन्तर्गत पेंशन तथा देय राहत, जिसका भुगतान संबंधित शिक्षक को किया जा चुका है, का भी समायोजन देय अवशेष पेंशन से कर लिया जायेगा ।
 4. राजकीय दर से पेंशन/पारिवारिक पेंशन का विकल्प देने वाले शिक्षकों के पेंशन की गणना वास्तविक सेवा या अधिकतम 60 वर्ष की वय तक की गई सेवा के आधार पर की जायेगी । यदि उन्हें 60 वर्ष की वय पर सेवानिवृत्त की सुविधा प्राप्त है। 60 वर्ष की वय के बाद की गई सेवा(जिसके अन्तर्गत सत्रान्त तक की गई सेवा, यदि कोई हो, भी सम्मिलित है)तदर्थ रूप से या अनानुमोदित पदों पर की गई सेवाओं की गणना उक्त प्रयोजन हेतु नहीं की जायेगी ।
 5. शिक्षकों को राजाज्ञा निर्गत होने के 90 दिन के भीतर निर्धारित प्रपत्र पर इस आशय का विकल्प प्रस्तुत करना होगा कि वह पेंशन/पारिवारिक पेंशन की सुविधा निर्धारित शर्तों के अधीन प्राप्त करने के इच्छुक है ।
 6. विकल्प तीन प्रतियों में निदेशक उ०शि० अथवा उनके द्वारा नामित किसी अधिकारी को संबंधित शिक्षक द्वारा उपलब्ध कराया जाना होगा ।
 7. पेंशन/पारिवारिक पेंशन की दरों का निर्धारण तथा उस पर अनुमन्य राहत की दरें समय-समय पर राज्य कर्मचारियों के लिए निर्गत शासनादेश के अनुसार होगी और राज्य कर्मचारियों के संबंध में प्रवृत्त नियम/शासनादेश भी उक्त सीमा तक उन पर प्रवृत्त होंगे ।
 8. उक्त सुविधा केवल उन सेवानिवृत्त शिक्षकों को ही अनुमन्य होगी जो उपरिलिखित शासनादेश दिनांक 24 फरवरी, 1997 निर्गत होने की तिथि से इस शासनादेश निर्गत होने की तिथि तक सेवानिवृत्त हुए हैं ।
 9. सी०पी०एफ से पेंशन योजना के लिए विकल्प की यह सुविधा केवल एक बार ही अनुमन्य की जा रही है तथा इसके बाद यदि कोई कर्मी उक्त सुविधा का लाभ नहीं प्राप्त कर पाते हैं तो उनके लिए इस के बाद किसी प्रकार का शिथिलीकरण का लाभ अनुमन्य नहीं होगा ।
 10. शासनादेश दिनांक 24 फरवरी, 1997 केवल उक्त सीमा तक संशोधित समझा जाएगा ।

भवदीय,

(आलोक कुमार जैन)
प्रमुख सचिव, वित्त ।

संख्या: 237 (1) / XXVII (7) / 2006 तददिनॉक

प्रतिलिपि:- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार उत्तरांचल, देहरादून।
2. सचिव, मा० मुख्यमंत्री, उत्तरांचल देहरादून ।
3. निदेशक, उच्च शिक्षा, उत्तरांचल, हल्द्वानी ।
4. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें सह स्टेट इन्टरनल आडीटर
उत्तरांचल देहरादून।
5. मुख्य कोषाधिकारी / वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
6. उच्च शिक्षा अनुभाग।
7. रीजिनल प्रोविडेंट फण्ड कमिश्नर, उत्तरांचल, देहरादून ।
8. प्रधानाचार्य, डी.ए.बी. / डी.बी.एस. / एम.के.पी. पी.जी. कालेज, देहरादून ।
9. निदेशक, एन० आई० सी० उत्तरांचल, देहरादून।
10. गार्ड फाइल ।

आज्ञा स

(टी०एन०सिंह)

अपर सचिव।